Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय - 09 | : रसखान — कृष्णा-महिमा)

QUIZ-01

1. रसखान किस धारा के कवि थे ?
A. रामभक्ति
B. कृष्णभक्ति
C. वीरगाथा
D. रहस्यवाद
Answer: B
Explanation: रसखान कृष्णभक्ति काव्यधारा के प्रमुख कवियों में गिने जाते हैं।

2. रसखान ने श्रीमद्भागवत का कौन-सा अनुवाद पढ़कर कृष्णभक्ति स्वीकार की?
A. संस्कृत
B. ब्रज
C. फारसी
D. अवधी
Answer: C
Explanation: उन्होंने श्रीमद्भागवत का फारसी अनुवाद पढ़कर कृष्णप्रेम से प्रभावित हुए।

3. रसखान की प्रामाणिक मानी जाने वाली रचनाओं की संख्या कितनी है?
A. दो
B. तीन
C. चार
D. पाँच
Answer: C
Explanation: 'सुजान-रसखान', 'प्रेमवाटिका', 'दानलीला' और 'अष्टयाम' — कुल चार रचनाएँ प्रामाणिक हैं।

4. कवि पत्थर बनकर कहाँ रहने की इच्छा व्यक्त करते हैं ?
A. हिमालय
B. विंध्य
C. नीलगिरि
D. नीलगिरि
Answer: D
Explanation: वे कहते हैं कि यदि पत्थर बनें तो वही गोवर्धन पर रहना चाहेंगे।

5. बालक कृष्ण के हाथ से कौआ क्या ले भागता है?
A. सूखी रोटी
B. दाल-रोटी
C. माखन-रोटी
D. पावरोटी
Answer: C
Explanation: छंद में स्पष्ट है कि कौआ कृष्ण के हाथ से माखन-रोटी ले जाता है।

6. रसखान ने किससे भक्ति की दीक्षा प्राप्त करने का उल्लेख है?
A. तुलसीदास
B. विठ्ठलनाथ
C. सूरदास
D. कबीर
Answer: B
Explanation: प्रसिद्ध है कि गोकुल में उन्होंने गोस्वामी विठ्ठलनाथ से दीक्षा ग्रहण की।

7. रसखान की भाषा किस रूप में वर्णित है?
A. आधुनिक हिंदी
B. अवधी
C. साहित्यिक ब्रज
D. खड़ी बोली
Answer: C
Explanation: उनकी काव्य-भाषा साहित्यिक ब्रज है, जिसमें मधुरता और सरसता है।

8. किस छंद में कृष्ण के बालरूप की माधुरी का वर्णन है?
A. प्रथम
B. द्वितीय
C. तृतीय
D. चतुर्थ
Answer: C
Explanation: तीसरे छंद में कृष्ण के धूल से भरे, चोटीधारी बाल रूप का चित्रण है।

9. रसखान क्या धारण कर ग्वाल-बालों के संग घूमने की इच्छा व्यक्त करते हैं?
A. मुकुट और बंसी
B. पीताम्बर और लकुटी
C. शंख और चक्र
D. फूलहार और कंगन
Answer: B
Explanation: वे पिताम्बर ओढ़कर और लकुटी लेकर ग्वालिनों के साथ घूमने की चाह रखते हैं।

10. "रस की खान" नाम कवि को क्यों सार्थक बनाता है?
A. वे वीर रस के कवि थे
B. वे ज्ञान में समृद्ध थे
C. उनकी रचनाओं में रसों की विविधता है
D. उन्होंने अनेक ग्रंथ लिखे
Answer: C
Explanation: उनकी रचनाओं में भक्ति-रस, प्रेम-रस और काव्य-रस की प्रचुरता है, जो उन्हें 'रसखान' नाम को सार्थक बनाती है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | TEST SERIES
Download Mission Gyan App
DOWNLOAD MISSION GYAN APP